भगतसिंह (1930)

लेनिन मृत्यु वार्षिकी पर तार

21 जनवरी, 1930 को लाहौर षड़यंत्र केस के सभी अभियुक्त अदालत में लाल रुमाल बांध कर उपस्थित हुए। जैसे ही मजिस्ट्रेट ने अपना आसन ग्रहण किया उन्होंने "समाजवादी क्रान्ति जिन्दाबाद," "कम्युनिस्ट इंटरनेशनल जिन्दाबाद," "जनता जिन्दाबाद," "लेनिन का नाम अमर रहेगा," और "साम्राज्यवाद का नाश हो" के नारे लगाये। इसके बाद भगत सिंह ने अदालत में तार का मजमून पढ़ा और मजिस्ट्रेट से इसे तीसरे इंटरनेशनल को भिजवाने का आग्रह किया।

लेनिन दिवस के अवसर पर हम उन सभी को हार्दिक अभिनन्दन भेजते हैं जो महान लेनिन के आदर्शों को आगे बढ़ाने के लिए कुछ भी कर रहे हैं। हम रूस द्वारा किये जा रहे महान प्रयोग की सफलता की कमाना करते हैं। सर्वहारा विजयी होगा। पूँजीवाद पराजित होगा। साम्राज्यवाद की मौत हो।

Date Written: January 1930
Author: Bhagat Singh
Title: Telegram on Lenin's Death Anniversary (Lenin mrityu varshiki par taar)
Source: On January 21, 1930, the accused in the Lahore Conspiracy Case appeared in the court wearing red scarves. As soon as the magistrate took his chair they raised slogans "Long Live Socialist Revolution," "Long Live Communist International," "Long Live People" "Lenin's Name Will Never Die," and "Down with Imperialism." Bhagat Singh then read the text of this telegram in the court and asked the magistrate to send it to the Third International.

भगतसिंह